

मि येन मुच्येयमापदः । पुत्रदरेण वा सार्धं प्राद्वेयमनामयम् (v. l. प्रद०) 6127.
— संप्रा zusammen davonlaufen: संप्राद्वत्सु (संप्रद०?) दरेषु तत्रि-
याणाम् MBh. 9, 1675.

— प्रत्या gegen Jmd (acc.) losrennen: कर्णं प्रत्याद्ववद्रणे MBh. 7, 5292.

— समा zusammen herbeilaufen, herbeiteilen, losfahren auf (acc.) MBh. 5, 595. 8, 3042. समाद्ववत् 3, 2539. चैत्यकं तं समाद्ववन् 2, 815. R. 1, 18, 14 (Gorr. 22).

— उद्द hinauf —, hinauslaufen: तेनैवोद्धृत्याग्निहोत्रं बुद्ध्यात् TBr. 2, 2, 4, 6. Kāṭh. 27, 8. उद्धृत davoneilend (nach Mahldh.) VS. 22, 8. — Vgl. उद्वाव und हु mit उदा.

— अन्नुद् hinter Jmd herlaufen: तमग्निरनुद्धृत्य समदक्तु Kāṭh. in Ind. St. 3, 479, 3.

— अन्नुद् hinauflaufen zu: यद्गर्हपत्ये ऽधिश्चित्पाकवनीयेमन्नुद्भव-
ति TBr. 2, 1, 4.

— समुद् zusammen hervorlaufen, entspringen Nir. 2, 10. समुद्वातस-
र्वदेवाः समुद्भवति Çat. Br. 14, 2, 2, 2.

— उप herzu —, hinzueilien, hineilen zu (acc.), losfahren auf, losgehen
auf, anfallen, angreifen: मिहं वसीन् उप होमडेहोत् RV. 2, 30, 3. इव-
त्त्यस्य हरेय उप नः 4, 16, 1. A. V. 18, 2, 23. 7, 73, 6. कन्तं श्वमित्युपद्ववत्ति
Kāṭh. Up. 2, 9, 8. ततो वेगेन मरुता दानवा मामुपाद्ववन् MBh. 3, 12099.
Ragh. 15, 23. Pañkāt. 147, 1. उपद्रोतुम् Çatr. 14, 248. प्राग्ज्योतिषमुपाद्ववत्
MBh. 2, 1000. 1091. (अग्निः) प्रज्ञां पृथ्व्यन्तमानस्योपेद्रोदवाव (so die Hdschr.)
TS. 1, 5, 4, 4. — partic. उपद्रुत verfolgt, angegriffen, bedrängt, heimge-
sucht, befallen (von Krankheit): शरणागतश्च लुधार्तश्च शत्रुमिच्छाप्युपद्रुतः
Hariv. 1131. तारकोपद्रुते शत्रे Kāṭh. 20, 60. कठोददशैर्मशकैः Bhāg. P. 5, 13, 3. जन्ममृत्युजराव्याधिवेदनाभिः Hit. IV, 87, v. l. Bhāg. P. 4, 29, 41.
जस्मा 5, 10, 6. वातवर्षैः Rīgā-Tar. 5, 275. अशोभिः Suçr. 2, 46, 17. 8, 1, 4, 1.
66, 20. 261, 11. Ohne nähere Bestimmung so v. a. von Uebeln heimge-
sucht R. 2, 48, 22. Çāṅk. zu Brh. Âr. Up. p. 318. Bhāg. P. 1, 1, 10. in
der Astr. so v. a. verfinstert und daher Unheil verkündend: उपद्रुते धिष्ठ्ये
Varāh. Brh. S. 97, 18. n. Bez. eines Saṃdhi, wie es scheint, des-
jenigen, welcher sonst उद्गाह् genannt wird, Çāṅk. Çr. 12, 13, 5. Ni-
dāna 1, 7. — Vgl. उपद्रव.

— प्रत्युप loseilen —, losstürzen auf (acc.) MBh. 8, 2365. Pañkāt. 226, 23.

— समुप hinzueilien, hineilen zu (acc.), losstürzen auf MBh. 3, 10993.
एकैकशस्तदा कन्यास्तान्कंसान्ममुपाद्ववन् 2096. 8614. 4, 246. 1, 8261. 7,
4935. R. 3, 56, 42. 4, 48, 20. तम् — युद्धाय समुपाद्ववत् 19. तत्पुरं समुपाद्व-
वत् Arā. 6, 8. partic. समुपद्रुत angegriffen, heimgesucht: समुपद्रुतानि
निधनं सस्यानि यात्तीतिभिः Varāh. Brh. S. 24, 33.

— निम्द् hinauslaufen, weglassen: बृहिविस्त्रं निर्द्ववतु AV. 9, 8, 11. 13.
10, 1, 21. Kāṭh. 27, 6.

— परा weglassen, fliehen Bhāg. P. 1, 7, 13.

— परि umlaufen: हरिः पर्यद्ववत्साः सूर्यस्य RV. 9, 93, 1. Ait. Br. 6, 4.

— विपरि rings umlaufen Kāṭh. 27, 8.

— प्र vorwärts laufen, eilen, forteilen, fortgehen, fortlaufen, fliehen;
in Verbind. mit dem adv. आ herbei: आ प्र द्रव हरिवः RV. 5, 31, 2. 8, 4,
12. आ प्र द्रव परावतः 71, 1. 9, 87, 1. 10, 112, 2. A. V. 3, 4, 5. — उत्तिष्ठ प्रे-
ह्नि प्र द्रव 4, 12, 6. 18, 3, 8. — Çat. Br. 14, 9, 1, 5. Lāṭh. 4, 3, 14. रथं तं तु

समाश्लिष्य प्राद्ववद्रथयोगवित् Arā. 6, 8. MBh. 1, 2182. 3, 2515. 2351. 2360.
16354. 7, 235. R. 1, 58, 11. 3, 52, 13. 5, 49, 33. Bhāg. P. 3, 17, 25. 8, 12, 30.
Bhāṭṭ. 15, 25. ते शनैः प्राद्ववन् — तस्मादिशात् MBh. 3, 10869. प्राद्ववत्त
दिशो भयात् 8749. R. Gorr. 1, 14, 40. भयार्तः शक्रः प्रदुद्राव सरः प्रवेष्टुम्
MBh. 3, 8729. प्रदुद्राव यतः स्त्रियस्ताः 2, 2224. 3, 2561. Draup. 8, 56. R.
3, 50, 1. hinestlen zu (acc.), losstürzen auf: रक्षोवेषम् प्रदुद्रुवुः eilten hin
zu R. 1, 20, 6. प्रदुद्राव वने मृगम् 3, 50, 3. कृत्तपार्थो प्रदुद्रुवुः MBh. 1, 8269.
Bhāṭṭ. 15, 79. glücklich einer Gefahr entrinnen und gelangen zu: न
हि योगं प्रपश्यामि येन मुच्येयमापदः । पुत्रदरेण वा सार्धं प्रद्वेयमनामय-
म् (v. l. प्रा०) Bhāṭṭ. 1, 19. partic. यथातिथये प्रद्वेताय (weggegangen)
ग्रन्थायावसथायाकार्यं कर्त्तुंति TBr. 2, 1, 3, 12. नले प्रद्वेते N. 22, 11. वित्रा-
स्तिता मृगाः सिद्धैः सहसा प्रद्वेताः R. 2, 97, 9. 4, 1, 19. 5, 93, 26. — caus.
zum Laufen bringen, in die Flucht schlagen: सैन्यम् — प्राद्ववपद्वत्ता MBh.
8, 2424. — Vgl. प्रद्वव, प्रद्ववित्.

— अग्निप्र losstürzen auf, angreifen: संशतकगणाश्चैव वेगिता ऽग्निप्रद्व-
द्वे MBh. 9, 398.

— विप्र auseinanderlaufen, auseinandergehen, davonlaufen, entlie-
hen: यूथपा मत्ताः सयूथा विप्रद्वद्वुवुः R. 2, 93, 1 (Gorr. 102, 1). ते भयोर्ता
दिशः सर्वे सहसा विप्रद्वद्वुवुः MBh. 3, 864. यथा वै व्योक्तौ विप्रद्ववत् एव-
मेते षष्ठं चाहः सप्तमं च विप्रद्ववत्: Pañkāt. Br. 14, 3. तत्तकस्य निवेशना-
त् । विप्रद्ववत्तम् (असुरम्) MBh. 1, 8323. partic. विप्रद्वुता भीता मुनयः श-
तशो दिशः R. 1, 53, 2. 2, 97, 7. R. Gorr. 1, 14, 40. तस्मान्निवप्रद्ववत् MBh. 3, 675.

— संप्र forteilen, fortlaufen, fliehen: संप्राद्ववत्त पाथो बभूवुः MBh.
3, 239. 14879. 571. 888. 5, 672. 7, 234. Bhāg. P. 4, 5, 6. सैन्यं संप्रद्ववत्तमकारथ-
म् MBh. 7, 635. 3, 395.

— प्रति hinlaufen zu: नदो नु प्रत्यद्वद्ववत् Bhāṭṭ. 6, 17.

— वि 1) auseinanderlaufen, davonlaufen, fliehen: यत्रा नरः सं च वि
च द्रवति RV. 6, 73, 11. ते चतुर्धा व्यद्ववन् Çat. Br. 3, 4, 2, 1. 4, 6, 2, 9. MBh.
3, 2549. 7, 2805. Draup. 8, 25. R. 1, 53, 23. 2, 97, 5. 3, 42, 52. 54. 54, 3. 7.
Bhāg. P. 4, 10, 20. med. MBh. 1, 7667. व्यद्ववत्त रणात्परे 4, 163. दिशो
विद्ववते चमूः 6, 147. R. 3, 55, 29. तालजङ्घे विद्वद्वे 6, 84, 26. auseinan-
dergehen, bersten: आपश्चनुभिरे चैव चकम्पे च वसुंधरा । व्यद्ववन्गिरयः
MBh. 13, 7472. partic. ततस्ता विद्वुता नार्यः Sund. 4, 20. Draup. 8, 40.
विद्वुतं सैन्यम् 35. Sāv. 7, 4. अराजके हि लोके ऽस्मिन्सर्वतो विद्वुते भया-
त् M. 7, 3. नले विद्वुते (v. l. प्रद्वुते) MBh. 3, 2900. R. 3, 50, 7. Ragh. 11, 44.
प्राक्सर्गे कालविद्वुते auseinandergelaufen so v. a. zerstört Bhāg. P. 4, 30,
49. मानस, चित्तं hterhin und dahin gehend, zerstreut oder sich auflösend,
zerfließend (vgl. u. simpl. und हुतव) R. 2, 57, 24. Pañkāt. 203, 3. विद्वुत
Bez. einer Art zu fechten, bei der man eine Flucht simulirt (?), Hariv.
10148. विद्वुता व्यधा heisst das wegen unruhiger Haltung des Kranken
missrathene Schlagen der Ader Suçr. 1, 362, 5. — 2) auseinanderlaufen,
schmelzen: विद्वुत geschmolzen, flüssig AK. 3, 2, 49. H. 1487. — caus.
auseinanderlaufen machen, in die Flucht jagen MBh. 4, 1152. 5, 5986.
R. 6, 19, 4. Rīgā-Tar. 5, 453. Bhāg. P. 6, 8, 23. (गौः) तत्सैन्यं व्यद्ववपत्त
सर्वशः MBh. 1, 8680. तं नागराजं सहसा प्रणुनं विद्वव्यामाणां विनिवर्त्य 9,
1081. विद्ववित R. 3, 53, 28. 6, 94, 13. Bhāg. P. 4, 5, 1. 7, 8, 23. — Vgl.
विद्वव u. s. w.

— अभिवि 1) zulaufen auf, losrennen auf: क्यैरपि क्यारोकाः — अ-